सबसे पहले स्वयं के भीतर रामराज्य लाना ज़रूरी - स्वामी यतींद्रानंद

>> ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में हुआ अखिल भारतीय श्रीमद् भगवद् गीता महासम्मेलन का सफल आयोजन

>> 2000 से भी अधिक लोग हुए सम्मिलित

भगवद्गीता महासम्मेलन में दीप प्रज्वलित करते हुए जगद्गुरु यतींद्रानंद जी, जगद्गुरु ओंकारानंद जी, डॉ. स्वामी गिरजानन्द सरस्वती जी, आचार्य परमानंद जी, आचार्य चंद्रांशु जी, ब्र.कु. बृजमोहन भाई, ब्र.कु. आशा दीदी, महामंडलेश्वर अखिलेश्वरानंद जी, पीठाधीश्वर जन्मेजय शरण जी, ब्र.कु. बसवराज भाई, ब्र.कु. ऊषा बहन, डॉ. पुष्पा पांडे, ब्र.कु. वीणा बहन तथा अन्य।

ओ.आर.सी.-गुरुग्राम। **ब्रह्माकुमारीज़ के भोराकलां स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर में दो दिवसीय अखिल भारतीय श्रीमद् भगवद्गीता महासम्मेलन का शुभारम्भ हुआ।** इस अवसर पर रुड़की से आये जगद्गुरु स्वामी यतींद्रानंद जी महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि इंद्रियों के मार्ग सब विषयों तक जाते हैं, परमात्मा तक नहीं। आत्म चिंतन ही परमात्मा तक पहुंचने का सबसे सरल मार्ग है। ब्रह्माकुमारी बहनें 140 देशों में उसी चिंतन को जगा रही हैं। उन्होंने कहा कि सबसे पहले रामराज्य हमें स्वयं के भीतर लाना है। हम किसी दूसरे को नहीं बदल सकते सिवाय स्वयं के। अयोध्या से आये जगद्गुरु ओंकारानंद जी महाराज ने कहा कि निराकार का अर्थ अनंत से है। इस सृष्टि का कण-कण परमात्मा का सृजन है। इसका अर्थ ये नहीं कि परमात्मा कण-कण में है। परमात्मा भक्तों की भावना में है। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी बहनों के साथ आज सभी मिलकर रामराज्य की नींव रखने को उत्सुक हैं। सिरसी कर्नाटक से आईं ब्र.कु. वीणा बहन ने मंच संचालन किया।

निराकार शिव परमात्मा द्वारा ही रामराज्य की पुनर्स्थापना

ब्रह्माकुमारीज़ के अति. महासचिव राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन भाई ने कहा कि रामराज्य सुख-शांति सम्पन्न राज्य की एक संकल्पना है। चरित्र की पावनता ही रामराज्य का प्रतीक है। रामराज्य की स्थापना निराकार शिव परमात्मा के द्वारा ही की जाती है। क्योंकि परमात्मा शिव ही हम सब आत्मा रूपी सीताओं के राम हैं। ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने कहा कि परमात्मा को नाम रूप से न्यारा कहना सबसे बड़ी भूल है। परमात्मा के तो हज़ारों नाम हैं। परमात्मा का असली नाम शिव है। उन्होंने कहा कि परमात्मा की याद सर्वव्यापी है, परमात्मा नहीं। परमात्मा के नाम उनके कर्त्तव्य और गुणों का बोध कराते हैं। जबलपुर से आईं डॉ. पुष्पा पांडे ने कहा कि भगवद्गीता वास्तव में योग शास्त्र है। योग का मूल उद्देश्य ही पापों को भस्म करना है। योग से ही इस धरा पर रामराज्य की स्थापना होगी।

» माउण्ट आबू से आईं प्रेरक वक्ता राजयोगिनी ब्र.कु. ऊषा दीदी ने कहा कि परमात्मा ही हमें परिवर्तन की शक्ति प्रदान करते हैं। परमात्मा शिव परमधाम के निवासी हैं। परमात्मा को सर्वव्यापी मानना भावनात्मक है, सैद्धांतिक नहीं हो सकता।

» महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद जी ने कहा कि रामराज्य की संकल्पना भारत में ही की जा सकती है। क्योंकि भारत आध्यात्मिक चिंतन की भूमि है।

» अयोध्या से आये पीठाधीश्वर जन्मेजय शरण जी महाराज ने कहा कि मनोविकारों से मुक्त होना ही रामराज्य की सच्ची संकल्पना है। परमात्मा शिव ही पावनता के सागर हैं। वे ही सभी को विकारों से मुक्त कर सकते हैं।

» कटनी से आए आचार्य परमानंद जी ने कहा कि मैं कौन हूँ, इसको जानने से ही रामराज्य स्थापन होगा। इसी से ही सब प्रश्नों का हल होगा। ब्रह्माकुमारी बहनें ही वास्तव में सच्ची-सच्ची महिषासुर मर्दिनी हैं।

» जबलपुर से आये डॉ. गिरजानंद सरस्वती, व अयोध्या से आए आचार्य चंद्रांशु जी ने भी अपने विचार रखे। अहमदाबाद से आईं ब्र.कु. दामिनी बहन एवं सिरी फोर्ट के कलाकारों द्वारा सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई।

'संकल्प शक्ति एवं दुआओं के चमत्कार' विषय पर सूर्य भाई ने कहा

श्रेष्ठ संकल्पों की मानसिक शक्ति सब ठीक कर सकती है

वडोदरा-अटलादरा(गुज.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आनंद पार्टी प्लॉट अटलादरा में 'संकल्प शक्ति एवं दुआओं के चमत्कार' विषय पर आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय प्रेरक वक्ता राजयोगी ब्र.कु. सूर्य भाई,माउण्ट आबू ने कहा कि हमारे मन में अद्भुत आध्यात्मिक शक्तियां निहित हैं जो संकल्पों के माध्यम से काम करती हैं। इसलिए हमें दिन की शुरुआत के साथ ही अपने और दूसरों के प्रति शुभ एवं शक्तिशाली संकल्प मन में स्वीकार कर लेने चाहिए। फिर उन्हें समय-समय पर दोहराते रहना है जिससे वह संकल्प हमारी स्मृति का हिस्सा बन जाएं। ऐसा करने से हमारा मन बहुत शक्तिशाली बन जाएगा। शक्तिशाली मन से चमत्कारिक परिणाम निकलते हैं। उलझे हुए सम्बंधों की जिन समस्याओं का समाधान कोर्ट नहीं कर सकता, जिन बीमारियों

को मेडिकल साइंस ठीक नहीं कर पाती उन्हें श्रेष्ठ संकल्पों की मानसिक शक्ति द्वारा ठीक किया जा सकता है। क्योंकि हमारे मन की सकारात्मक ऊर्जा हमारी मनोस्थिति, सम्बंधों, शरीर और वातावरण पर गहरा असर छोड़ती है जिससे वातावरण एवं आपसी दृष्टिकोण पॉज़िटिव हो जाता है। इसके लिए उन्होंने अभ्यास हेतु कुछ शक्तिशाली संकल्प बताए और योग अभ्यास कराया। ब्र.कु. गीता बहन,माउण्ट आबू ने कहा कि परमात्मा जो सभी सकारात्मक गुण और शक्तियों के परम स्रोत हैं, उन्हें हम गाड़ी पर रखी हुई स्टेपनी की तरह यूज़ करते हैं जिसे सिर्फ टायर पंचर हो जाने पर यूज़ किया जाता है, बाकी समय उस पर कोई ध्यान नहीं जाता। इसके बजाय परमात्मा को हम सभी जीवन की गाड़ी का स्टेयरिंग बनाएं जोकि अनिवार्य होता है। तभी हम उनसे शक्तियां लेकर खुद को शक्तिशाली बना सकेंगे और हर कार्य में उनके साथ द्वारा सफलता का अनुभव करेंगे।

कार्यक्रम में आनंद पार्टी प्लॉट एवं जगदीश फूड के ओनर नितिन भाई ठक्कर ने सभा में उपस्थित लगभग 2000 भाई-बहनों को अपनी शुभकामनाएं दी। ब्रह्माकुमारीज़ के स्थानीय सेवाकेंद्र की संचालिका डॉ. ब्र.कु. अरुणा दीदी ने सभी का आभार व्यक्त किया और सेवाकेंद्र में आयोजित होने वाले निःशुल्क 9 दिवसीय स्पीरिचुअल रिट्रीट में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

समाज ऐसा हो जिसमें सबका रिगार्ड रहे : जयंती दीदी

हरिद्वार-उ.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के अनुभूति धाम सेवाकेंद्र में 'आध्यात्मिक सशक्तिकरण द्वारा स्वच्छ और स्वस्थ समाज' विषयक संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए महामंडलेश्वर स्वामी देवानंद सरस्वती जी महाराज,परमाध्यक्ष,प्रभु हरनाथ मंदिर,हरिद्वार ने कहा कि आज पूरे विश्व में ब्रह्माकुमारीज़ संस्था हमारी सनातन संस्कृति को उठाने के लिए, हमारी मानवता को और सुदृढ़ करने के लिए निरंतर आगे बढ़ रही है। ये संस्था ऐसे ही आगे बढ़ती रहे ऐसी शुभेच्छा उन्होंने व्यक्त की।

मुख्य वक्ता ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की अति. मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ समाज के निर्माण में भाइयों और बहनों दोनों का साथ ज़रूरी है। समाज ऐसा हो जिसमें सबका रिगार्ड रहे। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था समाज में समानता के लिए कार्य करती आ रही है। महामंडलेश्वर स्वामी रामेश्वर सरस्वती जी महाराज ने भी ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के डिसिप्लिन की तारीफ करते हुए संस्था के आध्यात्मिक योगदान की चर्चा की। उन्होंने कहा कि संस्था का ओम शांति मंत्र कहने मात्र से ही शांति का आभास होने लगता है। ब्र.कु. मंजू दीदी ने भी सभी को शुभकामनाएं दी। ब्र.कु. मीना दीदी ने सभी का धन्यवाद किया। ब्र.कु. सुशील भाई ने मंच का कुशल संचालन किया। इस अवसर पर कुमारी आराध्या ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

जो स्वयं के लिए चाहते हैं वही दूसरों को दें : ऊषा दीदी

>> 'अच्छी सोच बेहतर ज़िंदगी' थीम पर धूमधाम से मनाई गई सेवाकेंद्र की 'सिल्वर जुबली'

>> दो दिवसीय राजयोग एवं ध्यान प्रशिक्षण शिविर का हुआ सफल आयोजन

जैतसर-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर 'अच्छी सोच बेहतर ज़िंदगी' थीम के साथ सिल्वर जुबली कार्यक्रम का गांव पांच जीबी स्थित रिसॉर्ट में आयोजन हुआ। शुभारंभ पर सेवाकेंद्र से पारंपरिक बैण्ड एवं शहनाई वादकों की अगुवाई में बहनों ने कलश यात्रा निकाली। जिसके पश्चात् पांच जीबी स्थित मुख्य आयोजन स्थल पर दो दिवसीय राजयोग एवं ध्यान प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के प्रथम दिवस प्रथम सत्र को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. ऊषा दीदी,माउण्ट आबू ने कहा कि भगवान ने हम सबको ज्ञान, गुण, शक्तियां, खुशी ऐसे सर्व खज़ाने दिए हैं। हम इन खज़ानों को जितना बांटेंगे उतना ही यह खज़ाना बढ़ता जायेगा। उन्होंने कहा कि यदि हमें खुशी चाहिए तो खुशी बांटो, सम्मान चाहिए तो सबको सम्मान दो, प्रेम चाहिए तो सभी से प्रेम पूर्वक व्यवहार करो। संसार का नियम है जो देंगे वही मिलेगा। संस्थान के बीकानेर संभाग की प्रभारी ब्र.कु. कमलदीप बहन ने कहा कि जीवन में हमेशा ध्यान रखो कि हमारे शब्द कैसे हैं, हम जो बोल रहे हैं वह दूसरों को मिठास देने वाले हों, दुःख देने वाले नहीं। कार्यक्रम में अनूपगढ़ जिला कलेक्टर अवधेश मीणा, व्यापार मण्डल अध्यक्ष राजवीर सिंह विड़िंग, सरपंच रविन्द्र बाघला, सूरतगढ़ सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. रानी बहन, स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. नेहा बहन, पूर्व राज्यमंत्री परमजीत सिंह रंधावा, व्यापार मण्डल कोषाध्यक्ष सुरेश मौर, भाजपा अध्यक्ष अशोक गोयल, समाजसेवी नागरमल गर्ग, भारत विकास परिषद कोषाध्यक्ष प्रदीप भाटिया सहित बड़ी संख्या में अन्य प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 12th May, 2024
स्वामी - आर.ई.आर.एफ, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org